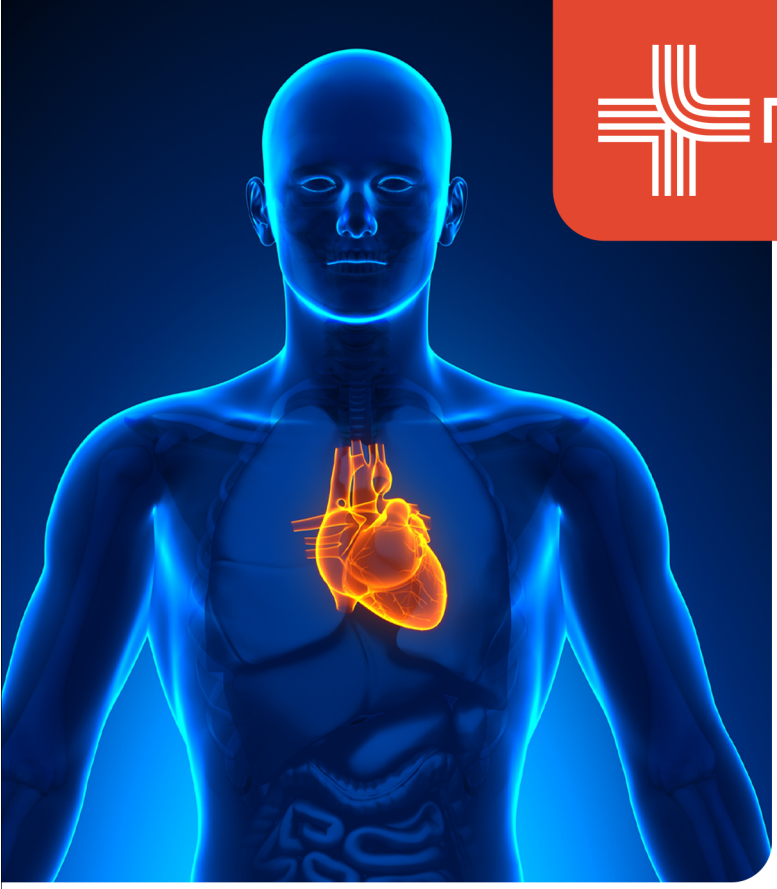

medanta

बेंटल प्रक्रिया

MEDANTA
HEART INSTITUTE

बेंटल प्रक्रिया क्या है?

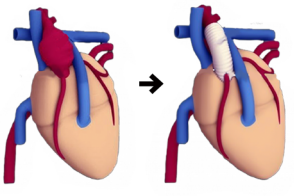

बेंटल एक प्रकार की शल्य प्रक्रिया है जिसकी मदद से हृदय रोग विशेषज्ञ आपकी महाधमनी (Aorta) की समस्याओं को ठीक करते हैं। एओर्टा ऑक्सीजन युक्त रक्त को मरीज़ के हृदय से शरीर के बाकी हिस्सों तक ले जाती है। लगभग 30 सेंटीमीटर लंबी और 2.5 सेंटीमीटर चौड़ी एओर्टा आपके शरीर की सबसे बड़ी धमनी होती है।

बेंटल प्रक्रिया की आवश्यकता कब हो सकती है?

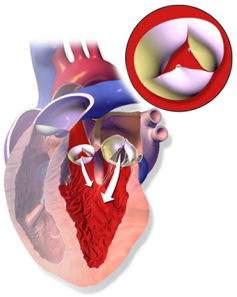

एओर्टा में समस्या उत्पन्न होने पर डॉक्टर आपको बेंटल प्रक्रिया की सलाह दे सकते है। एओर्टा की कुछ आम समस्याएँ निम्नलिखित हैं:

- **एओर्टिक रीगर्जिटेशन:** जब आपका एओर्टिक वाल्व ठीक से बंद नहीं होता है, तो रक्त पूरी तरह से प्रवाहित नहीं हो पाता
- **मार्फ़न सिंड्रोम:** जन्म से होने वाली एक बीमारी जिसमें एओर्टा की दीवार कमज़ोर हो जाती है
- **एओर्टिक एन्यूरिज्म:** एओर्टा के पेट से गुजरने वाले भाग में उभार (फैलाव)
- **एओर्टिक डाइसेक्शन:** जब एओर्टा की दीवार की भीतरी परत फट जाती है, और इसमें रक्तस्राव हो सकता है

बेंटल प्रक्रिया से पहले मुझे किस प्रकार तैयार रहना चाहिए?

- मरीज़ अपनी चल रही दवाओं के बारे में अपने डॉक्टर को विस्तार से बताएं। डॉक्टर मरीज़ को कुछ दवाएँ सर्जरी से पहले बंद करने की सलाह दे सकते हैं।
- मरीज़ को कुछ महत्वपूर्ण परीक्षण जैसे ई.सी.जी, छाती का एक्स-रे, रक्त टेस्ट और कैरोटिड डॉपलर करवाने पड़ सकते हैं।
- कब्ज़ से बचें। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें।
- मरीज़ को सर्जरी से आठ घंटे पहले कुछ भी न खाने की सलाह दी जा सकती है।

बेंटल प्रक्रिया के दौरान क्या होता है?

- प्रक्रिया से पहले मरीज़ को जनरल एनेस्थीसिया दिया जाता है जिससे सर्जरी के दौरान मरीज़ बेहोश रहे।
- सबसे पहले डॉक्टर एओर्टिक धमनी और एओर्टिक वाल्व के प्रभावित हिस्से को हटा देते हैं।
- इसके बाद वो मरीज़ की कोरोनरी धमनियों को अस्थायी रूप से अलग कर देते हैं।

- सर्जन एक कृत्रिम एओर्टिक धमनी ग्राफ्ट (जिसके अंदर एक वाल्व भी होता है) को अंदर निश्चित जगह पर लगा देते हैं।
- फिर वो ग्राफ्ट में दो छेद करके कोरोनरी धमनियों को वापिस से अपनी जगह पर जोड़ देते हैं।

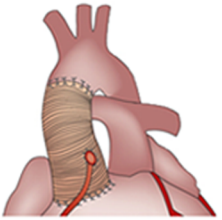

बेंटल सर्जरी के बाद क्या होता है?

- बेंटल प्रक्रिया के बाद मरीज़ को एक या दो दिन आई.सी.यू में बिताने होंगे। जहाँ मशीनों के द्वारा हृदय, रक्तचाप, शरीर के तापमान और श्वास पर निगरानी रखी जाएगी।
- आई.सी.यू के बाद मरीज़ को कुछ दिन अस्पताल में रहना होगा।
- चीरे की पीड़ा कम करने के लिए मरीज़ को दवाएँ दी जाएंगी।
- सर्जरी के बाद पहले दिन, मरीज़ बिस्तर से उठकर एक कुर्सी पर बैठने और कुछ कदम चलने में सक्षम होंगे।
- नियमित गतिविधियों में वापस आने में और पूरी तरह से ठीक होने में मरीज़ को छह से आठ हफ़्ते लग सकते हैं।

बेंटल प्रक्रिया के जोखिम क्या हैं?

किसी भी सर्जरी की तरह, बेंटल प्रक्रिया के भी कुछ जोखिम हो सकते हैं। इनमें से अधिकतर अस्थायी होते हैं, जैसे कि:

- रक्तस्राव
- असामान्य हृदय गति
- अल्पकालिक स्मृति समस्या
- धुंधली दृष्टि
- ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

यदि मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें:

- बुखार या ठंड लगना
- चीरे के स्थान पर दर्द, सूजन, या खून निकलना
- असामान्य हृदय गति और सीने में दर्द
- साँस लेने में दिक़्क़त

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ